PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Friday, 6th November 2020; Page: 16
Width: 16.17 cms; Height: 31.92 cms; a3; ID: 15.2020-11-06.131

जलवायु मोर्चे पर उद्योग जगत साथ आए: जावड़ेकर

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरुवार को इस्पात, सीमेंट, बिजली और औषधि क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों से अपील की कि वे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में सरकार के साथ मिल कर काम करें।

पेरिस जलवायु समझौते के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सरकार की मदद करें। मंत्री की अपील के बाद उद्योगपतियों ने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के उद्देश्य से सरकार के साथ काम करने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उपायों को अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने उठाए गए कदमों का ब्यौरा भी पेश किया।

जावड़ेकर ने जलवायु परिवर्तन पर इंडिया सीईओ फोरम की डिजिटल बैठक को संबोधित करते हुए कंपनियों से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण मंत्रालय को सालाना आधार पर अपने आंतरिक रोडमैप और लक्ष्य मुहैया कराएं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश में शामिल होने की अपील की। बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टेक महिंद्रा, डालमिया सीमेंट, अंबुजा सीमेंट, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा और अडाणी ट्रांसमिशन सहित विभिन्न कंपनियों के सीईओ और शीर्ष प्रबंधकों ने भाग लिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के महत्व के बारे में कहा कि भारत पेरिस समझौते के तहत अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान को प्राप्त करने की दिशा में अच्छा काम कर रहा है।

निजी क्षेत्र की घोषणा

इस मौके पर जलवायु परिवर्तन पर निजी क्षेत्र की घोषणा जारी की गई जिसमें पेरिस समझौते के तहत भारत को अपने लक्ष्यों को हासिल करने में मदद के लिए आवश्यक कदम उठाने का वादा किया गया है। इस घोषणापत्र में जोर दिया गया कि जलवायु परिवर्तन पर सरकार और निजी क्षेत्र की समन्वित कार्रवाई समय की मांग है।

सीईओ को कप्तान करार दिया: जावड़ेकर ने उद्योगपतियों और उनके सीईओ को कप्तान करार दिया, जो भारत की कार्रवाई को आकार प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा-मैं अपील करता हूं और मुझे भरोसा है कि कारखाने उत्सर्जन कम कर रहे हैं, अपने परिसरों में अधिक हरियाली ला रहे हैं, आप (सीईओ) कप्तान हैं, आप भारत के कार्यों को आकार प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि पानी बचाने को नई तकनीक का उपयोग और ऊर्जा दक्षता भी चिंता का एक विषय है जिसका आप ध्यान रख रहे हैं।